संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 46 वर्ष : द्वादश त्रैमासिक अप्रैल, 2018

69वें गणतंत्र दिवस समारोह, 2018

श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक (निर्माण) महोदय ने 69वें गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के अथक प्रयास एवं आत्म बलिदान के कारण भारत को विदेशी शासन से स्वतंत्रता मिली और उसके उपरांत 26 जनवरी, 1950 को हमारा देश एक स्वतंत्रता, प्रभुसत्ता संपन्न 'प्रजातंत्र' के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। इस प्रजातंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए इस विशाल देश का आर्थिक व सामाजिक रूप से सर्वांगीण विकास अत्यंत जरूरी है। इस महत्वपूर्ण लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश में विकास का एक प्रमुख आधारभूत संरचना के रूप में भारतीय रेल की एक बड़ी भूमिका है। यह खुशी की बात है कि पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन में 2126 अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा अपनी जिम्मेदारी एवं कर्तव्यों का निर्वाहन उत्तम रूप से किया जा रहा है।

वर्ष 1979 में निर्माण संगठन के अस्तित्व में आने के पश्चात् 973.84 कि. मी. नई लाइनें, 2683.37 कि.मी. आमान परिवर्तन, 296.76 कि.मी. दोहरीकरण तथा ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर 2 बड़े मेगा पुलों जो कि एक जोगीघोपा में नरनारायण सेतु रेल-सह-सड़क पुल और दूसरा तेजपुर में कोलियाभोमोरा सड़क पुल का निर्माण करना संभव हो पाया है।

भारतीय रेलवे के विजन डक्यूमेंट के अनुसार पूर्वोत्तर राज्यों की सभी राजधानियों (8 राज्यों क्रमशः असम, अरूणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड एवं सिक्किम) को 2020 तक बीजी रेल लिंक से जोड़ा जाना है। सिक्किम को छोड़कर पूर्वोत्तर के अन्य सभी राज्यों को भारतीय रेलवे के बीजी नेटवर्क से जोड़ लिया गया है।

नागालैंड के माननीय राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री के साथ बैठक

श्री नेफ्यू रियो, माननीय मुख्यमंत्री, नागालैंड एवं श्री पी. बी. आचार्य, महामहिम राज्यपाल, नागालैंड के साथ श्री राजेन गोहाईं, माननीय रेल राज्यमंत्री ने दिनांक 21.03.2018 को कोहिमा में एक बैठक आयोजित की। इस बैठक में चालू रेल परियोजना की प्रगति एवं परियोजनाओं के निष्पादन में रेलवे द्वारा सामना की गई कठिनाईयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग	
श्री एन. के. प्रसाद	श्री अजय कुमार	श्री रवि भूषण	श्रीमती मुन मुन शर्मा एवं	श्री ज्योतिष चन्द्र ठकुरिया
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.	राजभाषा अधिकारी/नि.	वरिष्ठ अनुवादक/नि.

पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन, मालीगांव में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 4 मई, 2018 को पहली तिमाही बैठक का आयोजन

पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन, मालीगांव की मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के लिए श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण की अध्यक्षता में 4 मई, 2018 को 15.30 बजे आयोजित की गई। बैठक की कार्यवाही का संचालन श्री रवि भूषण, उप मुख्य बिजली इंजीनियर/नि. एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि. ने किया।

बैठक का शुभारंभ श्री अजय कुमार, मुख्य इंजीनियर/नि.-2 एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी (नि.) ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए किया। श्री कुमार ने कहा कि राजभाषा विभाग की ओर से एक "राजभाषा कार्यालयीन संग्रह" नामक पुस्तक का प्रकाशन किया गया है, उम्मीद है कि यह पुस्तक हमारे संगठन में राजभाषा के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। श्री कुमार ने आगे कहा कि निर्माण संगठन के विभिन्न फील्ड यूनिटों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य-योजना के अनुरूप क्रमश: उप मुख्य इंजीनियर/नि/लमडिंग, उप मुख्य इंजीनियर/ नि/डिब्रूगढ़ एवं उप मुख्य इंजीनियर/नि/सिलापथार के कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण किया गया है।

श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक (निर्माण) महोदय ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि आप सभी जानते हैं कि यह बैठक हर तिमाही में आयोजित की जाती है। यह बैठक हमारे संगठन को राजभाषा के प्रयोग-प्रसार में आने वाली कठिनाईयों और उन्हें दूर करने के उपायों की समीक्षा करने का मौका प्रदान करती है। सभी सदस्यों से अनुरोध है कि इस बैठक में बराबर भाग लें और अपने-अपने विभागों में ज्यादा से ज्यादा काम हिंदी में करवाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। श्री प्रसाद ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे संगठन में राजभाषा के उचित कार्यान्वयन के लिए राजभाषा विभाग की ओर से "राजभाषा कार्यालयीन संग्रह" नामक पुस्तक का प्रकाशन करवाया गया है जो कि हमारे संगठन के अधिकारी/कर्मचारियों के लिए दिन प्रति दिन के हिंदी कामकाज में सहायक सिद्ध होगा।

श्री प्रसाद ने आगे कहा कि राजभाषा के रूप में हिन्दी के विकास, प्रचार और प्रयोग में पर्याप्त वृद्धि अवश्य हुई है। राजभाषा अधिनियम धारा 3 (3) के अंतर्गत आने वाले सभी कागजातों को द्विभाषी रूप में जारी किया जाए। इस पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि कागजात हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषी ही जारी किया जा रहा है।

इस बैठक में गूगल वॉयस टाइपिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया और साथ ही विभिन्न विभागों में हो रहे हिंदी कामकाज से संबंधित फाइलों की एक छोटी "राजभाषा प्रदर्शनी" भी लगाई गई थी। इस अवसर पर फाइलों का निरीक्षण करने के पश्चात महाप्रबंधक/निर्माण महोदय ने हिंदी में सबसे ज्यादा नोटिंग लिखने वाले कर्मचारी को 2500/- रूपए की नकद राशि पुरस्कार देने की भी घोषणा की। तत्पश्चात श्रीमती मुन मुन शर्मा, राजभाषा अधिकारी/निर्माण द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही बैठक समाप्ति की घोषणा की गई।

श्री राजेन गोहाईं, माननीय रेल राज्यमंत्री एवं श्री रामेश्वर तेली, सांसद सदस्य के साथ श्री एम. के. गुप्ता, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने दिनांक 24.03.2018 को बोगीबिल रेल-सह-सड़क पुल परियोजना का दौरा किया और पुल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

श्री राजेन गोहाईं, माननीय रेल राज्यमंत्री ने डिगारू-होजाई (102 कि.मी.) दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत दिनांक 29.03.2018 को कामपुर रेलवे स्टेशन में नए सड़क ऊपरी पुल का शिलान्यास किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गुवाहाटी (केंद्रीय कार्यालय-2) की छठवीं छमाही बैठक 27 फरवरी, 2018 को मालीगांव में आयोजित की गई।

श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, (केंद्रीय कार्यालय-2) गुवाहाटी की अध्यक्षता में समिति की छठवीं छमाही बैठक 27 फरवरी, 2018 को 15.30 बजे पूर्वोत्तर सीमा रेल के अधिकारी क्लब, नामबारी, मालीगांव में आयोजित की गई। इस बैठक में नराकास-2 के अंतर्गत आने वाले गुवाहाटी शहर के अधिक से अधिक सदस्य कार्यालय शामिल हुए। अध्यक्ष, नराकास-2 ने दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक की कार्यवाही का संचालन श्रीमती शर्मिला ताई, हिंदी प्रध्यापक ने किया।

श्री अजय कुमार, उपाध्यक्ष, नराकास एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी (नि.) ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए किया। श्री कुमार ने कहा कि आज की इस बैठक में हम आपके विभाग में राजभाषा के कार्यान्वयन एवं उपलब्धियां "पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन" के माध्यम से देखेंगे। सभी विभागों से अनुरोध है कि हिंदी में अच्छा काम करने वाले विभागों से प्रेरणा लेकर सदस्य कार्यालय अपने-अपने कार्यालयों में भी उसे कार्यान्वित करने का प्रयास करें।

अध्यक्ष महोदय श्री एन. के. प्रसाद ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छैद 343 (1) में हिंदी को राजभाषा के रूप में मान्यता दी गई है। इसके साथ ही अनुच्छेद 351 के अनुसार संघ का यह दायित्व है कि वह हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार बढ़ाए और उसका उचित विकास करे। अत: इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में दिन प्रति दिन के सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग करना हमारा संवैधानिक दायित्व है। इस समिति के अंतर्गत आने वाले कार्यालय 'ग' क्षेत्र में स्थित है। सभी सदस्य कार्यालयों में राजभाषा हिंदी का उचित कार्यान्वयन आपके कार्यालयों की सक्रिय सहभागिता से ही संभव है। सभी सदस्य कार्यालयों द्वारा राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के सभी कागजातों में अनिवार्य रूप से हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषी रूप का प्रयोग बनाए रखने पर जोर दिया जाए तथा इसकी प्रभावी ढंग से निगरानी की जाए। हिंदी के प्रति हमें अपनी मानसिकता को बदलना होगा तभी परिवर्तन आएगा। संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करते हुए इसे व्यावहारिक भाषा बनाने का प्रयास करें। जब प्रेरणा और प्रोत्साहन उच्च अधिकारियों की ओर से आता है तो उसका कहीं ज्याादा प्रभाव पड़ता है।

तत्पश्चात श्री रवि भूषण, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी (नि.) ने सभी सदस्य कार्यालयों से प्राप्त छमाही रिपोर्ट के आधार पर तैयार किए गए "पावर प्वाइंट" प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श किया गया।

श्री बदरी यादव, अनुसंधान अधिकारी (कार्यान्वयन) ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि नराकास-2 के अंतर्गत सभी सदस्य कार्यालयों में बहुत अच्छा कामकाज हिंदी में हो रहा है। हालांकि कुछ विभागों में कमी रह गई है इसे दूर करने का प्रयास करें। श्री यादव ने सभी सदस्य कार्यालय के कार्यालय प्रधानों से राजभाषा के शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

अंत में श्रीमती मुन मुन शर्मा, सदस्य सचिव एवं राजभाषा अधिकारी/निर्माण के अध्यक्ष महोदय सहित विभिन्न कार्यालयों से आए कार्यालय प्रधान एवं उनके प्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ बैठक समाप्ति की घोषणा हुई।

मेघालय के माननीय राज्यपाल एवं माननीय मंत्रियों के साथ बैठक

दिनांक 22.03.2018 को श्री गंगा प्रसाद, महामहिम राज्यपाल, मेघालय एवं मेघालय के मंत्रियों के साथ श्री राजेन गोहाईं, माननीय रेल राज्यमंत्री ने शिलांग में एक बैठक आयोजित की। इस बैठक में चालू परियोजना की प्रगति एवं परियोजनाओं के निष्पादन में रेलवे द्वारा भूमि अधिग्रहण पर सामना की जा रही कठिनईयों पर विचार-विमर्श किया गया।

श्री राजेन गोहोईं, माननीय रेल राज्यमंत्री ने दिनांक 05.01.2018 को उदयपुर में आयोजित एक समारोह में अगरतला-उदयपुर-सबरूम नई बड़ी लाइन परियोजना के उदयपुर-गार्जी सेक्शन में पहली यात्री गाड़ी का शुभारंभ किया।

श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण ने दिनांक 11.01.2018 को अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ बैठक की गई और अरूणाचल प्रदेश में होने वाली रेल परियोजनायों पर विचार-विमर्श किया।

आंखें आज सौतन बन गई

अश्कों को हमने आंखों के कोने में छुपा लिया,
उसे आखों से उतर कर न आने दिया ।

बोझिल हृदय को दबाने में कामयाब हो गयी,
आंसू की नदियां जाने कितनी बाढ़ सी बह जाती ।।

हौसले की डोर तोड़ जाना चाहती है बार-बार,
जी चाहता है बाहों में भर कर रो ले तार-तार ।।

हंसने की कोशिश भी मेरे बे-माने हो गई,
चाह कर भी किसी से नजरें नहीं मिला पाई।।

कमबख्त आंखें...

राज खोलने के लिए कई बहाना ढूंढती रही,
पर हमराज बनकर मैं भी अडिग रह गयी ।।

दर्द-ए-दिल का हाल बयां करूं किसको,
टुकड़े हुए दिल को यूं ही जोड़ कर तो देखो।।

न जाने मैं आज किस मोड़ पर खड़ी हो गई,
मुझे शर्मसार करने में वह तुली हुई।।

अपने जिद में वह ऐसी अड़ी रही ,
कमबख्त यह आंखें आज मेरी सौतन बन गई।।

- श्रीमती मुन मुन शर्मा
राजभाषा अधिकारी/नि.

दिनांक 28.03.2018 को बोगीबिल रेल सड़क पुल परियोजना के अंतर्गत टंगानी-नॉर्थ ब्लॉक हट जंक्शन (13.94 कि.मी.) सेक्शन का सीआरएस निरीक्षण पूरा किया गया और दिनांक 31.03.18 को 100 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार के लिए प्राधिकार प्राप्त किया गया।

पिछले तिमाही की उपलब्धियां

1. हल्दीबाड़ी (भारत)-चिलहाटी (बंगलादेश) 12 कि.मी. लंबा एक ट्रांस इंटरनेशनल रेल कनेक्टिविटी परियोजना है, जिसके भारतीय भू-भाग के 3.50 कि.मी. का कार्य पूरा किया जा चुका है और दिनांक 15.03.2018 को इंजन रोलिंग किया गया। हल्दीबाड़ी (भारत)-चिलहाटी (बंगलादेश) रेल लिंक 1965 में भारत-पाक युद्ध के पश्चात बंद कर दिया गया था।
2. न्यू कूचबिहार-गुमानीहाट (29.32 कि.मी.) एवं न्यू कूचबिहार-सामुकतला रोड जंक्शन (29.02 कि.मी.) दो दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत घोकसाडंगा-न्यू कूचबिहार-न्यू बानेश्वर-न्यू अलीपुरद्वार सेक्शन पर एक तरफ जाने हेतु (40.72 कि.मी.) लंबे दोहरीकरण का दिनांक 27.03.2018 को सीआरएस निरीक्षण पूरा किया गया। घोकसाडंगा-साजेरपार (7.53 कि.मी.) सेक्शन वित्त वर्ष 2018-19 में चालू करने का लक्ष्य निर्धारित था परंतु वित्त वर्ष 2017-18 के अतिरिक्त उपलब्धि के तौर पर इसे भी पूरा कर लिया गया है।
3. न्यू मैनागुड़ी-जोगीघोपा (288.88 कि.मी.) नई लाइन परियोजना के अंतर्गत आलमगंज-बोगोरीबारी (13.85 कि.मी.) सेक्शन में दिनांक 28.03.2018 को इंजन रोलिंग का कार्य पूरा किया गया।
4. तेतेलिया-बर्नीहाट (21.50 कि.मी.) नई लाइन परियोजना के अंतर्गत तेतेलिया से कमलाजारी (10.00 कि.मी.) सेक्शन में दिनांक 28.03.2018 को इंजन रोलिंग का कार्य पूरा किया गया।
5. पश्चिम बंगाल में सेवक-रंगपो नई लाइन परियोजना (44.96 कि.मी.) के वन निर्बाधन के लिए लंबित आधारभूत परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 25.01.2018 को कोलकाता में "सरकारी आश्वासन समिति, राज्यसभा का दौरा" बैठक में श्री एन. के. प्रसाद, महाप्रबंधक/निर्माण उपस्थित हुए।
6. दिनांक 30.01.2018 को आमबाड़ी फलाकाटा-न्यू मैनागुड़ी दोहरीकरण परियोजना (36.52 कि.मी.) के रानीनगर जलपाईगुड़ी-जलपाईगुड़ी रोड (6.94 कि.मी.) में सीआरएस निरीक्षण पूरा किया गया और दिनांक 02.02.18 को 110 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार के लिए प्राधिकार प्राप्त किया गया।